विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा -षष्ठ दिनांक -15-09-2020

विषय -हिन्दी विषय शिक्षक - पंकज कुमार

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज व्याकरण अशुद्धि शोधन के बारे में विस्तार पूर्वक अध्ययन करेंगे।

व्याकरण अशुद्धि शोधन

भाषा की संरचना में वाक्यों का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। वाक्य भाषा की महत्त्वपूर्ण इकाई हैं। वाक्यों की शुद्धता के बिना भाषा की शुद्धता की कल्पना करना भी कठिन है। दूसरे शब्दों में वाक्यों की शुद्धता पर ही भाषा की संरचना निर्भर करती है। लिखित भाषा की शुद्धता हेतु व्याकरण के नियमानुसार वाक्य संरचना शुद्ध होनी चाहिए। वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखने के लिए वर्ण, शब्द, वाक्य आदि के प्रयोग के कुछ निश्चित नियम होते हैं जिनके प्रयोग से भाषा शुद्ध बनती है। व्याकरण के नियमों का प्रयोग करते हुए वाक्य संरचना में दो बातों पर विशेष ध्यान देना चाहिए –

(क) वाक्य में प्रयुक्त पद अपने निश्चित स्थान पर ही प्रयोग किए जाने चाहिए।
(ख) वाक्य में प्रयुक्त पदों का परस्पर संबंध स्पष्ट करना अर्थात् अन्विति पर ध्यान देना चाहिए।

अशुद्धि शोधन के कुछ उदाहरण –

(क) संज्ञा संबंधी अशुद्धियाँ-संज्ञा के अनावश्यक प्रयोग कर देने के कारण वाक्य में शिथिलता तथा भाषा में अशुद्धता आ जाती है।

उदाहरण –

अशुद्ध	शुद्ध
मोहन मेरा अनुज भाई है।	मोहन मेरा अनुज है।
बेकारी समस्या की दवा हमारे पास है।	बेकारी समस्या का हल हमारे पास है।
इस पुस्तक की यही अच्छाई है।	इस पुस्तक की यही विशेषता है।
राम और मोहन घोर मित्र हैं।	राम और मोहन घनिष्ठ मित्र हैं।
मकड़ी जाला बुनते हुए बना रही है।	मकड़ी जाला बुन रही है।
रौनक, किरण की अनुजा बहन है।	रौनक, किरण की अनुजा है।
इसी कार्य में तुम्हारी अच्छाई है।	इसी कार्य में तुम्हारी भलाई है।
विधवा विलाप करके रोने लगी।	विधवा विलाप करने लगी।
उसके चक्षुओं में दर्द है।	उसकी आँखों में दर्द है।
चूहा कपड़ा कुतरकर फाड़ दिया।	चूहे कपड़े कुतर गया।
रूपवती सुमन बहुत सुंदर हैं।	सुमन रूपवती है।
यह लोगों की दासता गुलामी का परिणाम है।	यह लोगों की दासता का परिणाम है।
महिला अपने चीर धो रही है।	महिला अपने वस्त्र धो रही है।

लिखकर याद करें, शेष कल अध्ययन करेंगे।